जनसांख्यिकीय स्वरूप

क्षेत्रफल

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र है और इसकी सीमा तीन तरफ हरियाणा और पूर्व में उत्तर प्रदेश से लगती है। यह 28.24–28.53 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.50–77.20 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित है। दिल्ली का कुल क्षेत्रफल 1483 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें से 369.35 वर्ग किलोमीटर ग्रामीण क्षेत्र और 1113.65 वर्ग किलोमीटर शहरी क्षेत्र है। क्षेत्रफल के संदर्भ में यह देश का सबसे बड़ा शहर है। इसकी लंबाई 51.9 किलोमीटर और चौड़ाई 48.48 किलोमीटर है। दिल्ली में 11 जिले हैं, जिनमें 33 तहसील/सब–डिविजन हैं। दिल्ली की दो प्रमुख विशेषताएं यमुना बाढ़ क्षेत्र और रिज (यानी पर्वतमाला) हैं। यह भारत के भूकंपीय जोन–IV में स्थित है, जो बड़े भूकंपों का जोखिम दर्शाता है।

2. जनसांख्यिकीय प्रवृत्तियां :

2.1 दिल्ली देश के सर्वाधिक तेजी से बढ़ रहे शहरों में एक है। शहरीकरण की तीव्र गति के कारण दिल्ली के भू–परिदृश्य में व्यापक बदलाव आया है, जिससे बहुसंख्य ग्रामीण क्षेत्र शहरी क्षेत्र में परिवर्तित हो गया है। दिल्ली में पिछली तीन जनगणनाओं के आधार पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्र का बदलाव विवरण 19.1 में दर्शाया गया है :

विवरण 19.1
क्षेत्रफल–ग्रामीण और शहरी

क्र. स.	क्षेत्र का वर्गीकरण	1991		2001		2011	
		वर्ग कि.मी.	प्रतिशत	वर्ग कि.मी.	प्रतिशत	वर्ग कि.मी.	प्रतिशत
1.	ग्रामीण	797.66	53.79	558.32	37.65	369.35	24.90
2.	शहरी	685.34	46.21	924.68	62.35	1113.65	75.1
3.	कुल	1483.00	100.00	1483.00	100.00	1483.00	100.00

स्रोत : भारत की जनगणना, 1991, 2001 और 2011

2.2 2001–2011 की अवधि में शहरी क्षेत्रों में वृद्धि की वार्षिक दर 20.44 प्रतिशत रही। शहरीकरण की गति ने दिल्ली में गांवों की संख्या कम कर दी है। 1961 में दिल्ली में 300 गांव थे, जो 2001 में घट कर 165 रह गए और 2011 में घट कर 112 रह गए। शहरीकृत गावों की संख्या 1961 में 20 से बढ़कर 2011 में 135 हो गयी है। जनगणना कस्बों की संख्या 1971 में 3 थी, जो 1991 में बढ़ कर 29 और 2011 में बढ़ कर 110 हो गई। इस प्रकार विभिन्न जनगणनाओं में दिल्ली के अधिकाधिक ग्रामीण गांवों को निरंतर जनगणना कस्बे घोषित किया जाता रहा है। परिणाम स्वरूप दिल्ली में ग्रामीण आबादी और ग्रामीण क्षेत्र घटते जा रहे हैं।

3. जनसंख्या

भारत सरकार द्वारा राज्यों के सहयोग से दशकीय आधार पर कराई जाने वाली जनगणना जनसंख्या आंकड़ा उपलब्ध कराने का एकमात्र स्रोत है। देश में पहली सुनियोजित और एक साथ जनगणना 1881 में कराई गयी थी। इस श्रृंखला की 15वीं और अद्यतन जनगणना 2011 में कराई गई थी, जिसके अनुसार 1 मार्च, 2011 को दिल्ली की आबादी 1 करोड 67 लाख 80 हजार थी जबकि 1 मार्च, 2001 को यह 1 करोड़ 38 लाख 50 हजार थी। 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली की 97.50 प्रतिशत आबादी शहरी इलाकों में और शेष 2.5 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में रहती है। इस शहरी आबादी में 2011 की जनगणना के 110 जनगणना कस्बों की आबादी शामिल है। राजस्व विभाग के रिकार्ड के अनुसार ये जनगणना कस्बे दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं और वे दिल्ली के अधिसूचित शहरी क्षेत्र का हिस्सा नहीं हैं।

4. जनसंख्या वृद्धि

4.1 पिछले छह दशकों के दौरान दिल्ली और भारत की जनसंख्या और इसमें हुई वृद्धि विवरण 19.2 में दर्शायी गई है।

विवरण 19.2

1951–2011 के दौरानभारत और दिल्ली की जनसंख्या और उसमें हुई वृद्धि

(लाख)

क्र.स.	वर्ष	दिल्ली		भारत		समस्त भारत की आबादी में दिल्ली का हिस्सा
		जनसंख्या	वृद्धि (%)	जनसंख्या	वृद्धि (%)	
1.	1951	17.44	--	3610.88	--	0.48
2.	1961	26.59	52.44	4392.35	21.64	0.61
3.	1971	40.66	52.93	5481.60	24.80	0.74
4.	1981	62.20	53.00	6833.29	24.66	0.91
5.	1991	94.21	51.45	8464.21	23.87	1.11
6.	2001	138.51	47.02	10287.37	21.54	1.35
7.	2011	167.88	21.20	12108.55	17.70	1.39

स्रोतः भारत की जनगणना, (प्राथमिक जनगणना सारांश 2011)

4.2 2001–2011 के दौरान जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 21.2 प्रतिशत रही।दिल्ली की 2011 की जनगणना की यह दशकीय वृद्धि अपने आप में अनूठी रही है क्योंकि 1951 से 1991 तक सभी जनगणनाओं के दौरान जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर 50 प्रतिशत से ऊपर और 2001 में 47 प्रतिशत थी।जनसंख्या की इस प्रवृत्ति का श्रेय एक तरफ केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे ***मनरेगा*** जैसे विभिन्न रोजगार प्रोत्साहन कार्यक्रमों और वरिष्ठ नागरिकों तथा विधवाओं के लिए पेंशन जैसे कल्याण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और दूसरी तरफ गुड़गांव, फरीदाबाद, सोनीपत, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ आदि एनसीआर प्राथमिकता कस्बों के विकास को दिया जा सकता है, जिनसे दिल्ली में प्रवसन में कमी आई है।पिछले दशक में दिल्ली में जनसंख्या वृद्धि दर राष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड की गई वृद्धि दर से 3.5 प्रतिशत अधिक रही है। दिल्ली का क्षेत्रफल देश के क्षेत्रफल का सिर्फ 0.05 प्रतिशत के लगभग है लेकिन यहां की आबादी समूचे देश की आबादी का 1.39 प्रतिशत है।

4.3 विवरण 19.2 से पता चलता है कि राष्ट्रीय जनसंख्या के मुकाबले दिल्ली की जनसंख्या जहां 1951 में 0.48 प्रतिशत थी वहीं यह 2011 में बढ़कर 1.39 प्रतिशत हो गयी।1971–81 में दिल्ली में जनसंख्या वृद्धि की दर 53.00 प्रतिशत रिकॉर्ड की गई। पिछले दशक में दिल्ली में जनसंख्या वृद्धि दर 2.12 प्रतिशत वार्षिक थी जो राष्ट्रीय स्तर की जनसंख्या वृद्धि दर से 0.35 प्रतिशत अधिक रही। 1951–2011 की अवधि में दिल्ली की जनसंख्या चार्ट 19.1 में दर्शायी गई है।

चार्ट 19.1

दिल्ली की जनसंख्या : 1951–2011

(लाख)

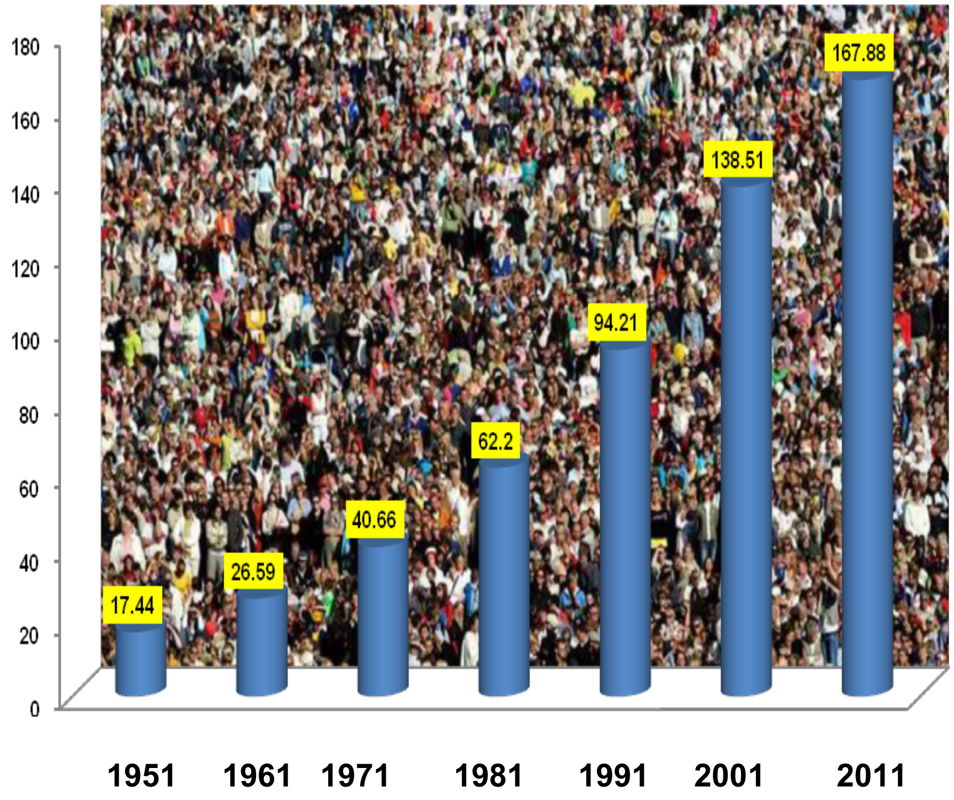

5. जिलावार जनसंख्या

5.1 1991 की जनगणना के समय दिल्ली को एकल जिला प्रदेश घोषित कर दिया गया था। 1996 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने राजपत्र अधिसूचना द्वारा 9 जिलों और 27 उप–संभागों का गठन कर दिया। 2001 की जनगणना दिल्ली के सभी 9 जिलों और 27 उप–जिलों में कराई गयी थी। 2001 और 2011 की जनगणनाओं के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की जिलावार जनसंख्या विवरण 19.3 में दी गई है।

विवरण 19.3

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की ज़िलावार जनसंख्या : 2001 और 2011

क्र सं	जिले	2001			2011		
		संख्या	प्रतिशत			संख्या	प्रतिशत
1.	उत्तर–पश्चिम	2860869	20.65	1	3656539	21.78	1
2.	दक्षिण	2267023	16.37	2	2731929	16.27	2
3	पश्चिम	2128908	15.37	3	2543243	15.15	3
4	उत्तर पूर्वी	1768061	12.77	4	2241624	13.35	5
5.	दक्षिण पश्चिमी	1755041	12.67	5	2292958	13.66	4
6.	पूर्वी	1463583	10.57	6	1709345	10.18	6
7.	उत्तरी	781525	5.64	7	887978	5.29	7
8.	मध्य दिल्ली	646385	4.67	8	582320	3.47	8
9.	नई दिल्ली	179112	1.29	9	142004	0.85	9
	कुल	**13850507**	**100.00**		**16787941**	**100.00**	

स्रोतः भारत की जनगणना, (प्राथमिक जनगणना सारांश 2011)

5.2 विवरण 19.3 से स्पष्ट है कि 2011 में दिल्ली में 53 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी तीन जिलों–उत्तर पश्चिम, दक्षिण और पश्चिमी जिलों में रहती थी। 2001 और 2011 में दिल्ली की जिलावार जनसंख्या चार्ट 19.2 में दर्शायी गई हैं

चार्ट 19.2

दिल्ली की ज़िलावार जनसंख्या– 2001 और 2011

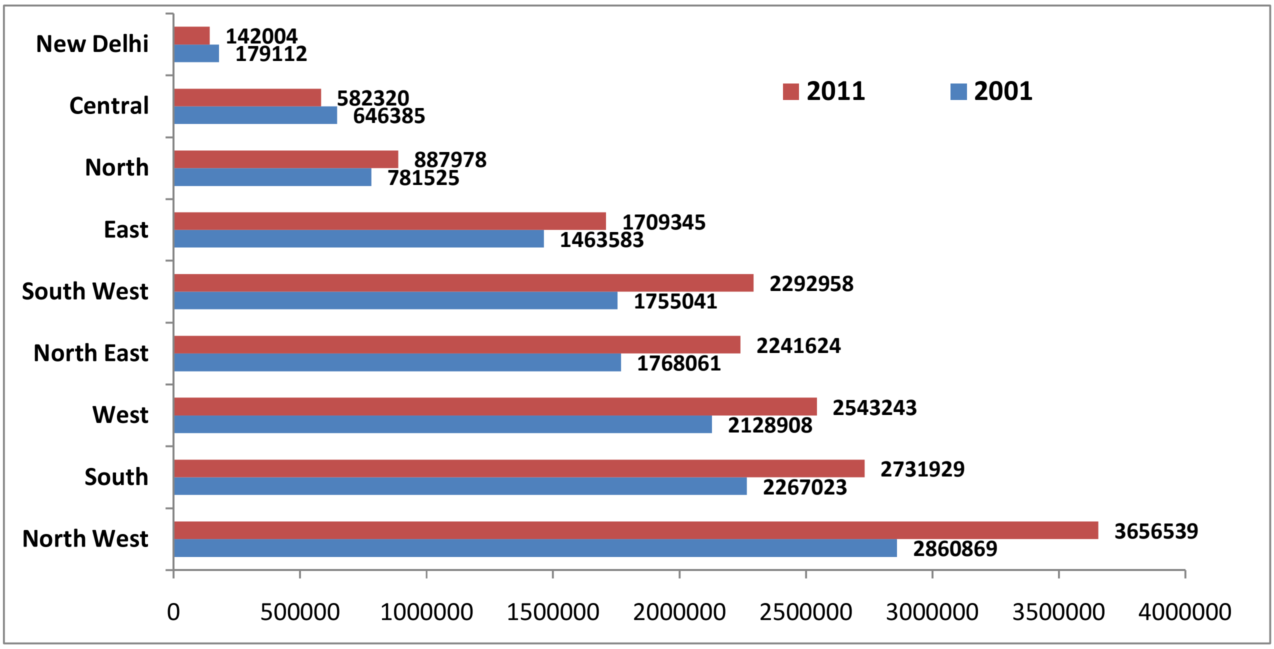

6. लिंग अनुपात

6.1 जनसंख्या के सामाजिक–आर्थिक पहलुओं के विश्लेषण के लिए लिंग अनुपात महत्वपूर्ण संकेतक होता है। यह वास्तव में प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या का अनुपात है। 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली में स्त्री–पुरुष अनुपात 868 था। पिछले दशक में दिल्ली के लिंग अनुपात में बढ़ोतरी हुई और यह 2001 के 821 की तुलना मे बढ़कर 2011 में 868 पर पहुंच गया। राष्ट्रीय और राज्य, दोनों स्तरों पर इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए कन्या भ्रूण हत्या रोकने और गर्भावस्था में सन्तान का लिंग पता लगाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने जैसे अनेक कड़े उपाय लागू किए गए। 2001 और 2011 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का जिलावार लिंग अनुपात विवरण 19.4 में दिखाया गया है।

विवरण 19.4

2001 और 2011 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का जिलावार लिंग अनुपात

क्र सं	जिले	लिंग अनुपात			
		2001	रैंक	**2011**	रैंक
1.	उत्तर पूर्वी	849	1	886	2
2.	पूर्वी	843	2	884	3
3	मध्य	842	3	892	1
4	पश्चिम	830	4	875	4
5.	उत्तर	826	5	869	5
6.	उत्तर पश्चिम	820	6	865	6
7.	दक्षिण	799	7	862	7
8.	नई दिल्ली	792	8	822	9
9.	दक्षिण पश्चिमी	784	9	840	8
	दिल्ली	**821**		**868**	

स्रोतः भारत की जनगणना, (प्राथमिक जनगणना सारांश 2011)

6.2 भारत के अधिकांश उत्तरी राज्यों में 2001 और 2011 की जनगणना के लिंग अनुपात के आंकड़ों से चिंताजनक स्थिति का संकेत मिलता है। 2001 और 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तरी राज्यों में लिंग अनुपात विवरण 19.5 में दिया गया है।

विवरण 19.5

भारत के उत्तरी राज्यों में लिंग अनुपात–2001 और 2011

क्र.स.	राज्य	लिंग अनुपात	
		2001	**2011**
1.	जम्मू–कश्मीर	892	889
2.	हिमाचल प्रदेश	968	972
3	पंजाब	876	895
4.	चंडीगढ़	777	818
5	उत्तराखंड	962	963
6.	हरियाणा	861	879
7.	राजस्थान	921	928
8.	उत्तर प्रदेश	898	912
9.	दिल्ली	821	868
	भारत	**933**	**943**

स्रोतः भारत की जनगणना, (प्राथमिक जनगणना सारांश 2011)

6.3 नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) में पंजीकृत जन्मों की संख्या के बारे में सूचना विवरण 19.6 में दी गई है।

विवरण 19.6

सीआरएस के अंतर्गत पंजीकृत जन्मों की संख्या–लिंगवार

क्र.स.	वर्ष	जन्म			लिंग अनुपात
		कुल	पुरुष	महिला	
1.	2001	296287	163816 (55.29)	132471 (44.71)	809
2.	2002	300659	164184 (54.61)	136475 (45.39)	831
3.	2003	301165	165173 (54.84)	135992 (45.16)	823
4.	2004	305974	167849 (54.86)	138125 (45.14)	823
5.	2005	324336	178031 (54.89)	146305 (45.11)	822
6.	2006	322750	176242 (54.61)	146508 (45.39)	831
7.	2007	322044	174289 (54.12)	147755 (45.88)	848
8.	2008	333908	166583 (49.89)	167325 (50.11)	1004
9.	2009	354482	185131 (52.22)	169351 (47.78)	915
10.	2010	359463	189122 (52.61)	170341 (47.39)	901
11.	2011	353759	186870 (52.82)	166889 (47.18)	893

12.	2012	360473	191129 (53.02)	169344 (46.98)	886
13.	2013	370000	195226 (52.76)	174774 (47.24)	895
14.	2014	373693	197078 (52.73)	176615 (47.26)	896
15.	2015	374012	197080 (52.69)	176932 (47.31)	898
16.	2016	379161	199358 (52.58)	179738 (47.40)	902
17.	2017	367046	191876 (52.28)	175090 (47.70)	913
18.	2018	362803	188494 (51.96)	174196 (48.01)	924
19.	2019	365868	190527 (52.08)	175267 (47.90)	920
20.	2020	301645	155973 (51.71)	145597 (48.27)	933
21.	2021	271786	140604 (51.73)	131112 (48.24)	932

स्रोतः आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय, दिल्ली की जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण संबंधी वार्षिक रिपोर्ट

6.4 नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के अंतर्गत पंजीकृत जन्म विवरण के अनुसार दिल्ली में लिंग अनुपात की सकारात्मक तस्वीर दिखाई देती है। लिंग अनुपात 2001 में 809 था, जो 2021 में बढ़ कर 932 हो गया। 2005 से 2008 की अवधि में लिंग अनुपात में बढ़ोतरी का श्रेय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और बच्चों के कल्याण के लिए शुरू की गई अनेक योजनाओं को दिया जा सकता है।

7. जनसंख्या घनत्व

7.1 दुनिया के विभिन्न स्थानों से आमतौर पर प्राप्त होने वाले तुलनात्मक आंकड़ों को जनसंख्या घनत्व कहते हैं। क्षेत्रफल की प्रति यूनिट आबादी ही जनसंख्या घनत्व होती है। इसे आमतौर पर प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाले लोगों की संख्या के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली का जनसंख्या घनत्व 11,320 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जबकि राष्ट्रीय जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। वर्ष 2011 में दिल्ली का जनसंख्या घनत्व सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में सर्वाधिक था। 2001 और 2011 में दिल्ली का ज़िलावार जनसंख्या घनत्व विवरण 19.7 में दिया गया है।

विवरण 19.7

2001 और 2011 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का ज़िलावार जनसंख्या घनत्व

क्र सं	जिला	जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किलोमीटर व्यक्ति)			
		2001	रैंक	**2011**	रैंक
1.	उत्तर पूर्वी	29,468	1	36155	1
2.	मध्य	25,855	2	27730	2
3	पूर्वी	22,868	3	27132	3
4	पश्चिम	16,503	4	19563	4
5.	उत्तर	13,246	5	14557	5
6.	दक्षिण	9,068	6	11060	6
7.	उत्तर पश्चिम	6,502	7	8254	7
8.	नई दिल्ली	5,117	8	4057	9
9.	दक्षिण पश्चिम	4,169	9	5446	8
	दिल्ली	**9340**		**11320**	

स्रोतः भारत की जनगणना, (प्राथमिक जनगणना सारांश 2011)

7.2 विवरण 19.7 से स्पष्ट है कि दिल्ली के उत्तर–पूर्वी जिले का जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक 36155 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है जबकि सबसे कम जनसंख्या घनत्व 4057 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर नई दिल्ली जिले का है। पिछले दशक के दौरान नई दिल्ली जिले में जनसंख्या घनत्व में कमी का रुख रहा और यह 2001 के 5117 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से घट कर 2011 में 4057 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर रह गया।

8. परिवारों का आकार

एक घर में एक साथ रहने वाले लोगों की संख्या को ही आमतौर पर परिवार का आकार कहा जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली में कुल 3340538 परिवार थे। दिल्ली में परिवार का औसत आकार 5.02 था। इससे संकेत मिलता है कि एक घर में औसतन पांच से अधिक सदस्य शामिल हैं। वर्ष 2011 में पचास प्रतिशत से ज्यादा परिवारों के सदस्यों की संख्या पांच से ज्यादा थी। 2001 और 2011 में दिल्ली में विभिन्न आकारों वाले परिवारों की ब्यौरेवार जानकारी विवरण 19.8 में दर्शायी गई है।

विवरण 19.8
दिल्ली में आकार के हिसाब से परिवारों का वितरण– 2001 और 2011

क्र सं	परिवार का आकार	परिवारों की संख्या		परिवारों की कुल संख्या का प्रतिशत	
		2001	**2011**	**2001**	**2011**
1.	एक सदस्यीय	99786	123106	3.90	3.70
2.	दो सदस्यीय	206925	252370	8.10	7.60
3.	तीन सदस्यीय	295216	428403	11.56	12.80
4.	चार सदस्यीय	544289	803065	21.31	24.00
5.	पांच सदस्यीय	506711	681142	19.84	20.40
6.	छह से आठ सदस्यीय	680065	853773	26.63	25.60
7.	नौ या उससे अधिक सदस्यीय	221157	198679	8.66	5.90
	कुल परिवार	**2554149**	**3340538**	**100.00**	**100.00**

स्रोतः भारत की जनगणना 2011

9. साक्षरता दर

9.1 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली में साक्षरता दर 86.02 प्रतिशत थी जबकि 2001 में यह 81. 67 प्रतिशत थी। इसमें पुरुषों की साक्षरता दर 90.9 प्रतिशत और महिलाओं की साक्षरता दर 80.8 प्रतिशत थी। दिल्ली में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की साक्षरता दर क्रमशः 81.9 और 86.3 प्रतिशत रही।

10. जनसंख्या का आयुवार वितरण

10.1 जनसंख्या का आयुवार वितरणभविष्य की मानव क्षमता, कार्यरत जनसंख्या के दायित्व खासकर अपने बच्चों और वृद्ध माता पिता की देखरेख के दायित्व की गंभीरता का सबसे प्रभावी संकेतक है। दो जनगणना अवधि में दिल्ली की जनसंख्या के आयुवार वितरण का ब्यौरा विवरण 19.9 में प्रस्तुत किया गया है।

. विवरण 19.9

दिल्ली की जनसंख्या का आयुवार वितरणः 1991, 2001 और 2011

क्र. स.	आयु वर्ग	1991		2001		2011	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या			संख्या
1.	0-14	3273482	34.75	4492939	32.44	4565319	27.19
2.	15-19	914871	9.71	1427979	10.31	1667375	9.93
3.	20-24	982866	10.43	1426860	10.30	1764060	10.51
4.	25-29	956788	10.16	1358925	9.81	1668326	9.94
5.	30-39	1438035	15.26	2211006	15.96	2753943	16.40
6.	40-49	867731	9.21	1432467	10.34	2008410	11.96
7.	50-59	504149	5.35	759505	5.48	1196361	7.13
8.	60 या उससे अधिक	439520	4.67	719650	5.20	1147445	6.83
9.	आयु वर्णित नहीं	43202	0.46	21176	0.15	16702	0.1
	कुल	**9420644**	**100.00**	**13850507**	**100.00**	**16787941**	**100.00**

स्रोतः भारत की जनगणना, (प्राथमिक जनगणना सारांश 2011)

10.2 विवरण 19.9 से पता चलता है कि 2011 में दिल्ली की कुल जनसंख्या का एक तिहाई भाग ऐसे बच्चों का था जिनकी आयु शून्य से 14 वर्ष के बीच थी और इसमें प्रतिशत बदलाव की दर भी कम से कम रही। अन्य सभी आयु वर्गों में भी लगभग यही स्थिति थी, यह या तो एक समूह में घनात्मक या सतत आयु वर्गों में ऋणात्मक थी। 2011 में दिल्ली की जनसंख्या का आयुवार वितरण चार्ट 19.3 में दर्शाया गया है।

चार्ट 19.3

दिल्ली में जनसंख्या का आयु वार वितरण–2011

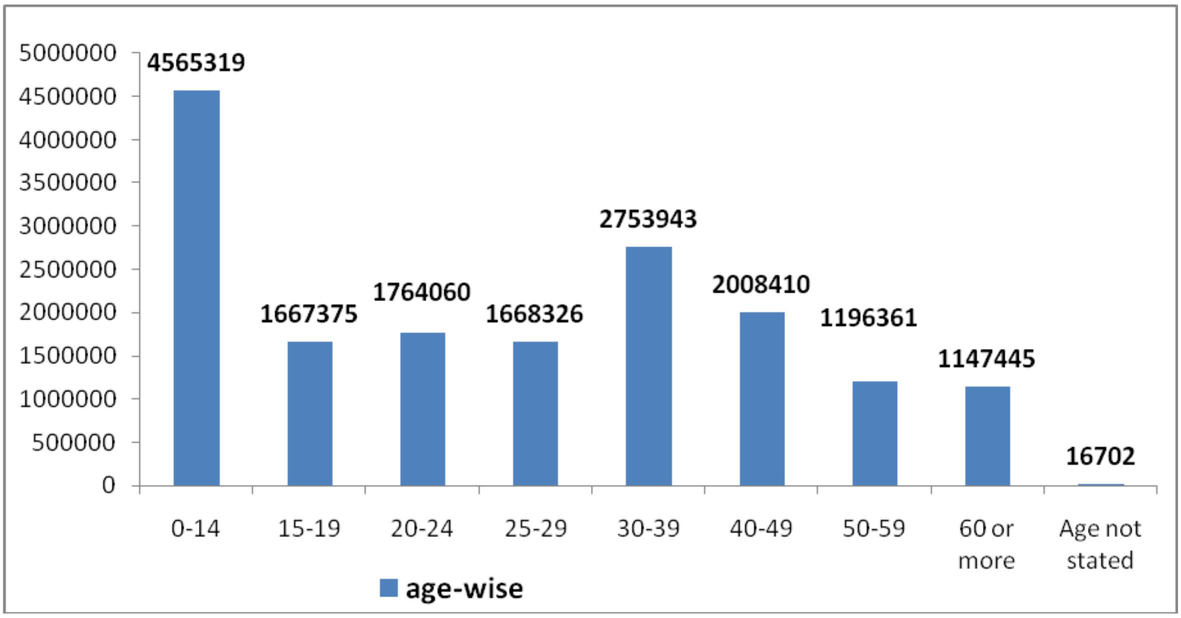

11. महानगरों की जनसंख्या

11.1 भारत में महानगरों की जनसंख्या, विवरण 19.10 में प्रस्तुत की गई है।

विवरण 19.10

भारत के कुछ महानगरों की जनसंख्या 2001 और 2011

क्र.स.	महानगर	जनसंख्या (संख्या)		स्थान	
		2001	**2011**	**2001**	**2011**
1.	मुम्बई (श.स.)	16,434,386	18,394,912	1	1
2.	दिल्ली	13,850,507	16,787,941	2	2
3.	कोलकाता (श.स.)	13,251,339	14,057,991	3	3
4.	चेन्नई (श.स.)	6,686,140	8,653,521	4	4
5.	बंगलौर (श.स.)	5,701,446	8,520,435	6	5
6.	हैदराबाद (श.स.)	5,756,729	7,677,018	5	6

स्रोतः भारत की जनगणना 2011, (प्राथमिक जनगणना सारांश 2011) – ओ.आर.जी.आई. वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम टेबल न. ए –4 के अनुसार

श.स. *–शहरी संतुलन*

11.2 विवरण 19.10 से पता चलता है कि जनसंख्या की दृष्टि से महानगरों में दिल्ली 2001 और 2011 में लगातार दूसरे स्थान पर रही। 2001 में मुम्बई की जनसंख्या 1 करोड़ 64 लाख 34 हजार थी, जो दिल्ली की जनसंख्या से 25.8 लाख ज्यादा थी। 2011 में (जनगणना 2011) मुम्बई और दिल्ली की आबादी का अंतर घटकर 16.07 लाख रह गया। इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के तेजी से विकास का पता चलता है।

11.3 जनसंख्या में वृद्धि के साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोग बड़े शहरों में रहने लगेंगे। बड़ी संख्या में लोग 1 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले बड़े शहरों में रहेंगे जिन्हें मेगासिटी के रूप में जाना जाता है।

12. दिल्ली का शहरी–ग्रामीण परिवेश

12.1 21वीं शताब्दी के शुरू में 93 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी शहरी क्षेत्रों में रह रही थी जबकि 1901 में केवल 53 प्रतिशत लोग शहरों में रहते थे। इससे साफ पता चलता है कि राष्ट्रीय राजधानी में शहरीकरण की गति कितनी तेज़ है। इस शताब्दी में दिल्ली में शहरीकरण की गति विवरण 19.11 में दर्शायी गयी है।

विवरण 19.11

1901—2011 के दौरान दिल्ली में शहरीकरण की प्रवृत्ति

क्र.स.	जनगणना वर्ष	जनसंख्या (संख्या)			वृद्धि (प्रतिशत)	
		कुल	शहरी	कुल शहरी का प्रतिशत	दशकीय	एईजीआर
1	1901	405819	214115	52.76		
2	1911	413851	237944	57.50	11.13	1.1
3	1921	488452	304420	62.32	27.94	2.5
4	1931	636246	447442	70.33	46.98	3.9
5	1941	917939	695686	75.79	55.48	4.4
6	1951	1744072	1437134	82.40	106.58	7.3
7	1961	2658612	2359408	88.75	64.17	5.0
8	1971	4065698	3647023	89.70	54.57	4.4
9	1981	6220406	5768200	92.73	58.16	4.6
10.	1991	9420644	8471625	89.93	46.87	3.8
11	2001	13850507	12905780	93.18	52.34	4.2
12	2011	16787941	16368899	97.50	26.83	1.92

स्रोत : भारत की जनगणना अस्थाई जनसंख्या आंकड़े, रा.रा.क्षे. दिल्ली श्रृंखला 8, 2011 का पेपर 1
नोट :एईजीआर का अर्थ है — वार्षिक तीव्र वृद्धि दर

12.2 दिल्ली में पिछली जनगणना के दौरान जिलावार शहरी और ग्रामीण आबादी की जानकारी विवरण 19.12 में दर्शायी गयी है।

विवरण 19.12

दिल्ली में जिलावार शहरी और ग्रामीण आबादी : 2011

क्र.स.	जिला	जनसंख्या (संख्या)			शहरी आबादी का प्रतिशत
		शहरी	गामीण	कुल	
1.	उत्तर पश्चिम	3442589	213950	3656539	94.15
2.	उत्तर	870232	17746	887978	98.00
3	उत्तर पूर्व	2220097	21527	2241624	99.04
4.	पूर्व	1705816	3530	1709346	99.79
5.	नई दिल्ली	142004	--	142004	100.00
6.	मध्य	582320	--	582320	100.00
7.	पश्चिम	2536823	6420	2543243	99.75
8.	दक्षिण पश्चिम	2149282	143676	2292958	93.73
9.	दक्षिण	2719736	12193	2731929	99.55
	दिल्ली	**16368899**	**419042**	**16787941**	**97.50**

स्रोत : भारत की जनगणना—2011 के प्राथमिक आंकड़े

12.3 विवरण 19.12 से पता चलता है कि दिल्ली के दो जिले यानी मध्य और नई दिल्ली में वर्ष 2011 में शत प्रतिशत शहरी आबादी थी। शेष सभी जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक आबादी शहरों में रहती थी।

13. जीवनांक दरें

13.1 जीवनांक दरें ही राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर सर्वाधिक प्रयुक्त आंकड़े हैं, जिनमें आमतौर पर जन्म दर, मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर शामिल हैं, जिन्हें नीचे परिभाषित किया गया है।

क) **जन्म दरः**—जन्म दर किसी जनसंख्या की उर्वरता का एक सरल माप है और जनसंख्या वृद्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। यह किसी निर्दिष्ट क्षेत्र और वर्ष में प्रति हजार जनसंख्या पर जीवित जन्मों की संख्या को इंगित करती है।

ख) **मृत्यु दर** :—मृत्यु दर जनसंख्या परिवर्तन के मूल घटकों में से एक है और संबंधित डेटा जनसांख्यिकीय अध्ययन और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रशासन के लिए आवश्यक हैं। मृत्यु दर मौतों की गणना के सबसे सरल उपायों में से एक है और इसे एक निश्चित क्षेत्र और समय अवधि में प्रति हजार जनसंख्या पर मौतों की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

ग) **शिशु मृत्यु दर** :—शिशु मृत्यु दर (आईएमआर), जिसे व्यापक रूप से किसी देश या क्षेत्र के समग्र स्वास्थ्य परिदृश्य के अशोधित संकेतक के रूप में स्वीकार किया जाता है, को किसी निर्दिष्ट क्षेत्र के लिए एक निश्चित समय अवधि में प्रति हजार जीवित जन्मों में शिशु मृत्यु (एक वर्ष से कम) के रूप में परिभाषित किया जाता है।

दिल्ली में जीवनांक दरों (दोनों नागरिक पंजीकरण प्रणाली और नमूना पंजीकरण प्रणाली) के बारे में जानकारी विवरण 19.13 में प्रस्तुत की गई है।

13.2 नागरिक पंजीकरण प्रणाली में सरकारी कार्यालयों और निर्दिष्ट अधिकारियों के नेटवर्क की मदद से जीवनांक घटनाओं (जन्म और मृत्यु) को कानूनी रूप से पंजीकृत किया जाता है तथा इनके बारे में पर्याप्त ब्यौरा निरंतर, स्थायी और अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाता है। नागरिक पंजीकरण प्रणाली को जनसंख्या में होने वाले परिवर्तनों को मापने के माध्यम के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। दूसरे शब्दों में कहा जा रहा है कि 10 वर्ष में होने वाली जनगणना से किसी समयविशेष की जनसंख्या की जानकारी उपलब्ध होती है जबकि जीवनांक आंकड़ों से जनसंख्या के प्रवाह का पता चलता है।

13.3 दिल्ली में, जन्म और मृत्यु का पंजीकरण तीन स्थानीय निकायों दिल्ली नगर निगम (पूर्व काल में दक्षिणी दिल्ली नगर निगम, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, पूर्वी दिल्ली नगर निगम), नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और दिल्ली छावनी बोर्ड द्वारा किया जा रहा है।

विवरण 19.13

दिल्ली में जीवनांक दरें : सीआरएस और एसआरएस

क्र.स.	वर्ष	*वर्ष के मध्य में अनुमानित आबादी (लाख)	जीवनांक दरें (प्रति एक हजार)					
			जन्म दर		मृत्यु दर		शिशु मृत्यु दर	
			सीआरएस*	एसआरएस	सीआरएस*	एसआरएस	सीआरएस*	एसआरएस
1.	2003	144.86	20.78	17.3	6.07	5.0	17	28
2.	2004	147.68	20.72	18.4	5.76	4.7	13	32
3.	2005	150.54	21.52	18.6	6.24	4.6	13	35
4.	2006	153.47	21.05	18.4	6.45	4.7	18	37
5.	2007	156.45	20.58	18.1	6.46	4.8	25	36
6.	2008	159.49	20.94	18.4	6.77	4.8	18	35
7.	2009	162.58	21.77	18.1	6.89	4.4	19	33
8.	2010	165.74	21.66	17.8	7.48	4.2	22	30
9.	2011	169.14	20.92	17.5	6.63	4.3	22	28
10.	2012	172.92	20.87	17.3	6.05	4.2	24	25
11.	2013	176.70	20.94	17.2	5.50	4.1	22	24
12.	2014	180.47	20.71	16.8	6.72	3.8	22	20
13.	2015	184.25	20.30	16.4	6.76	3.6	23	18
14.	2016	188.03	20.16	15.5	7.53	4.0	21.35	18
15.	2017	191.82	19.13	15.2	7.10	3.7	20.83	16
16.	2018	195.61	18.55	14.7	7.44	3.3	23.81	13
17.	2019	199.40	18.35	14.4	7.29	3.2	24.12	11
18.	2020	203.19	14.85	14.2	7.03	3.6	20.37	12
19.	2021	207.03	13.13	NA	8.28	NA	23.60	NA

*वर्ष 2011 से राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के नवीनतम जनसंख्या अनुमानों के अनुसार संशोधित।

13.4 विवरण 19.13 से अनुमान लगाया जा सकता है कि सीआरएस के तहत 2003 से 2021 के दौरान दिल्ली की जीवनांक दरों, जन्म और शिशु मृत्यु दर, दोनों में ही मिश्रित प्रवृत्ति रही है। यह देखा जा सकता है कि सीआरएस के अंतर्गत मृत्यु दर में भी मिश्रित प्रवृत्ति रही है। एसआरएस प्रणाली के अंतर्गत जन्म, मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर तीनों में ही कमी की प्रवृत्ति रही है।

14. प्रवासन

14.1 दिल्ली में बाहर से आकर बस जाने वालों की संख्या का अनुमान जन्म और मृत्यु दरों तथा जनसंख्या में कुल वृद्धि पर आधारित होता है। विवरण 19.14 से पता चलता है कि 2021 में जनसंख्या की संभावित वृद्धि 1.01 लाख थी जबकि बाहर से आकर बसने वालों की अनुमानित संख्या 2.83 लाख थी। 2003 से 2021 के बीच प्रवासन की प्रवृत्ति विवरण 19.14 में दी गई हैं।

विवरण 19.14

दिल्ली में बाहर से आकर बसने वालों की संख्या– 2001–2021

(लाख)

क्र. स.	वर्ष	*वर्ष के मध्य में अनुमानित आबादी	पिछले वर्ष की तुलना में जनसंख्या वृद्धि	कुल		प्राकृतिक वृद्धि	प्रवासन
				जन्म	मृत्यु		
1.	2003	144.86	2.76	3.01	0.88	2.13	0.63
2.	2004	147.68	2.82	3.06	0.85	2.21	0.61
3.	2005	150.54	2.86	3.24	0.94	2.30	0.56
4.	2006	153.47	2.93	3.23	0.99	2.24	0.69
5.	2007	156.45	2.98	3.22	1.01	2.21	0.77
6.	2008	159.49	3.04	3.34	1.08	2.26	0.78
7.	2009	162.58	3.09	3.54	1.12	2.42	0.67
8.	2010	165.74	3.16	3.59	1.24	2.35	0.81
9.	2011	169.14	3.40	3.53	1.12	2.41	0.99
10.	2012	172.92	3.78	3.60	1.05	2.55	1.23
11.	2013	176.70	3.78	3.70	0.97	2.73	1.05
12	2014	180.47	3.77	3.74	1.21	2.53	1.24
13	2015	184.25	3.78	3.74	1.25	2.49	1.29
14	2016	188.03	3.78	3.79	1.42	2.37	1.41
15	2017	191.82	3.79	3.67	1.36	2.31	1.48
16	2018	195.61	3.79	3.63	1.46	2.17	1.62
17	2019	199.40	3.79	3.66	1.45	2.21	1.58
18	2020	203.19	3.79	3.02	1.43	1.59	2.2
19	2021	207.03	3.84	2.72	1.71	1.01	2.83

स्रोत : जन्म एवं मृत्यु महापंजीयक कार्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

** राष्ट्रीय जनसंख्या आयुक्त द्वारा वर्ष 2011 के लिए लगाए गए अद्यतन अनुमान के अनुसार संशोधित।*

नोट :

1. जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि कुल जन्म और मृत्यु संख्या के अंतर के बराबर होती है।

2. बाहर से आकर बसी जनसंख्या, जनसंख्या की कुल वृद्धि और प्राकृतिक रूप से बढ़ी जनसंख्या के अंतर के बराबर होती है।

15. जनसंख्या अनुमान

विवरण 19.15
आयु–वार अनुमानित जनसंख्या 2011–2036

(आंकड़े संख्या ''000' में')

वर्ष	आयु समूह	भारत	दिल्ली	हरियाणा	उत्तर प्रदेश	राजस्थान	पंजाब	उत्तराखंड
2011	0-14 वर्ष	373893	4570	7539	71892	23819	7096	3134
	15-29 वर्ष	334458	5041	7399	55954	19275	7925	2887
	30-44 वर्ष	247730	3867	5187	35995	12852	5940	1942
	45-59 वर्ष	153236	2147	3051	21178	7705	3865	1228
	60 और ऊपर	101538	1163	2176	14792	4897	2919	894
	सभी आयु समूह	1210855	**16788**	**25351**	**199812**	**68548**	**27743**	**10086**
2016	0-14 वर्ष	362202	4498	7416	70581	23570	6584	2884
	15-29 वर्ष	359600	5500	7997	64494	21500	8157	3216
	30-44 वर्ष	271914	4496	5910	39642	14297	6574	2187
	45-59 वर्ष	179173	2688	3623	24711	9091	4490	1422
	60 और ऊपर	118185	1496	2508	16658	5784	3336	1046
	सभी आयु समूह	1291074	**18677**	**27455**	**216087**	**74240**	**29140**	**10755**
2021	0-14 वर्ष	349990	4479	7362	69468	23121	6181	2708
	15-29 वर्ष	371426	5791	8208	68947	22722	7922	3329
	30-44 वर्ष	297203	5119	6735	44698	16088	7309	2511
	45-59 वर्ष	206817	3279	4287	29021	10518	5096	1640
	60 और ऊपर	137570	1904	2890	18772	6833	3828	1208
	सभी आयु समूह	1363006	**20571**	**29483**	**230907**	**79281**	**30339**	**11399**
2026	0-14 वर्ष	339222	4586	7254	68479	22570	5871	2592
	15-29 वर्ष	367415	5883	8103	67450	22751	7385	3227
	30-44 वर्ष	324725	5761	7596	52284	18290	7950	2909
	45-59 वर्ष	231717	3884	4941	32873	11841	5644	1853
	60 और ऊपर	162829	2424	3407	21774	8189	4468	1409
	सभी आयु समूह	1425908	**22540**	**31299**	**242859**	**83642**	**31318**	**11993**
2031	0-14 वर्ष	323258	4723	6969	62951	21204	5520	2542
	15-29 वर्ष	356593	5955	8041	66122	22523	6900	2993
	30-44 वर्ष	349924	6304	8223	60579	20444	8199	3242
	45-59 वर्ष	255574	4513	5651	36457	13237	6267	2096
	60 और ऊपर	193426	3056	4063	25853	9789	5201	1653
	सभी आयु समूह	1478775	**24552**	**32946**	**251963**	**87198**	**32087**	**12524**
2036	0-14 वर्ष	306374	4910	6676	56989	19943	5181	2436
	15-29 वर्ष	345498	6081	8039	65022	22224	6520	2832
	30-44 वर्ष	362336	6685	8472	64914	21753	7990	3363
	45-59 वर्ष	280642	5139	6458	41385	15031	6988	2416
	60 और ऊपर	227438	3777	4823	30680	11610	5978	1928
	सभी आयु समूह	1522288	**26591**	**34469**	**258990**	**90563**	**32658**	**12974**

स्रोतः जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट, जुलाई 2020, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

विवरण 19.16
आयु–वार अनुमानित जनसंख्या 2011–2036

(आंकड़े प्रतिशत' में')

वर्ष	आयु समूह	भारत	दिल्ली	हरियाणा	उत्तर प्रदेश	राजस्थान	पंजाब	उत्तराखंड
2011	0-14 वर्ष	30.88	27.22	29.74	35.98	34.75	25.58	31.07
	15-29 वर्ष	27.62	30.03	29.19	28.00	28.12	28.57	28.62
	30-44 वर्ष	20.46	23.03	20.46	18.01	18.75	21.41	19.25
	45-59 वर्ष	12.66	12.79	12.04	10.60	11.24	13.93	12.18
	60 और ऊपर	8.39	6.93	8.58	7.40	7.14	10.52	8.86
	सभी आयु समूह	100.00	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**
2016	0-14 वर्ष	28.05	24.08	27.01	32.66	31.75	22.59	26.82
	15-29 वर्ष	27.85	29.45	29.13	29.85	28.96	27.99	29.90
	30-44 वर्ष	21.06	24.07	21.53	18.35	19.26	22.56	20.33
	45-59 वर्ष	13.88	14.39	13.20	11.44	12.25	15.41	13.22
	60 और ऊपर	9.15	8.01	9.13	7.71	7.79	11.45	9.73
	सभी आयु समूह	100.00	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**
2021	0-14 वर्ष	25.68	21.77	24.97	30.08	29.16	20.37	23.76
	15-29 वर्ष	27.25	28.15	27.84	29.86	28.66	26.11	29.20
	30-44 वर्ष	21.80	24.88	22.84	19.36	20.29	24.09	22.03
	45-59 वर्ष	15.17	15.94	14.54	12.57	13.27	16.80	14.39
	60 और ऊपर	10.09	9.26	9.80	8.13	8.62	12.62	10.60
	सभी आयु समूह	100.00	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**
2026	0-14 वर्ष	23.79	20.35	23.18	28.20	26.98	18.75	21.61
	15-29 वर्ष	25.77	26.10	25.89	27.77	27.20	23.58	26.91
	30-44 वर्ष	22.77	25.56	24.27	21.53	21.87	25.38	24.26
	45-59 वर्ष	16.25	17.23	15.79	13.54	14.16	18.02	15.45
	60 और ऊपर	11.42	10.75	10.89	8.97	9.79	14.27	11.75
	सभी आयु समूह	100.00	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**
2031	0-14 वर्ष	21.86	19.24	21.15	24.98	24.32	17.20	20.30
	15-29 वर्ष	24.11	24.25	24.41	26.24	25.83	21.50	23.90
	30-44 वर्ष	23.66	25.68	24.96	24.04	23.45	25.55	25.89
	45-59 वर्ष	17.28	18.38	17.15	14.47	15.18	19.53	16.74
	60 और ऊपर	13.08	12.45	12.33	10.26	11.23	16.21	13.20
	सभी आयु समूह	100.00	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**
2036	0-14 वर्ष	20.13	18.46	19.37	22.00	22.02	15.86	18.78
	15-29 वर्ष	22.70	22.87	23.32	25.11	24.54	19.96	21.83
	30-44 वर्ष	23.80	25.14	24.58	25.06	24.02	24.47	25.92
	45-59 वर्ष	18.44	19.33	18.74	15.98	16.60	21.40	18.62
	60 और ऊपर	14.94	14.20	13.99	11.85	12.82	18.30	14.86
	सभी आयु समूह	100.00	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**100.00**

स्रोतः जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट, जुलाई 2020, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

विवरण 19.17
आयु–वार अनुमानित जनसंख्या वृद्धि 2011–2036

(आंकड़े प्रतिशत' में')

वर्ष	आयु समूह	भारत	दिल्ली	हरियाणा	उत्तर प्रदेश	राजस्थान	पंजाब	उत्तराखंड
2011-2021	0-14 वर्ष	-6.39	-1.99	-2.35	-3.37	-2.93	-12.89	-13.59
	15-29 वर्ष	11.05	14.88	10.93	23.22	17.88	-0.04	15.31
	30-44 वर्ष	19.97	32.38	29.84	24.18	25.18	23.05	29.30
	45-59 वर्ष	34.97	52.72	40.51	37.03	36.51	31.85	33.55
	60 और ऊपर	35.49	63.71	32.81	26.91	39.53	31.14	35.12
	सभी आयु समूह	12.57	**22.53**	**16.30**	**15.56**	**15.66**	**9.36**	**13.02**
2021-2026	0-14 वर्ष	-3.08	2.39	-1.47	-1.42	-2.38	-5.02	-4.28
	15-29 वर्ष	-1.08	1.59	-1.28	-2.17	0.13	-6.78	-3.06
	30-44 वर्ष	9.26	12.54	12.78	16.97	13.69	8.77	15.85
	45-59 वर्ष	12.04	18.45	15.26	13.27	12.58	10.75	12.99
	60 और ऊपर	18.36	27.31	17.89	15.99	19.84	16.72	16.64
	सभी आयु समूह	4.61	**9.57**	**6.16**	**5.18**	**5.50**	**3.23**	**5.21**
2021-2031	0-14 वर्ष	-7.64	5.45	-5.34	-9.38	-8.29	-10.69	-6.13
	15-29 वर्ष	-3.99	2.83	-2.03	-4.10	-0.88	-12.90	-10.09
	30-44 वर्ष	17.74	23.15	22.09	35.53	27.08	12.18	29.11
	45-59 वर्ष	23.57	37.63	31.82	25.62	25.85	22.98	27.80
	60 और ऊपर	40.60	60.50	40.59	37.72	43.26	35.87	36.84
	सभी आयु समूह	8.49	**19.35**	**11.75**	**9.12**	**9.99**	**5.76**	**9.87**
2021-2036	0-14 वर्ष	-12.46	9.62	-9.32	-17.96	-13.75	-16.18	-10.04
	15-29 वर्ष	-6.98	5.01	-2.06	-5.69	-2.19	-17.70	-14.93
	30-44 वर्ष	21.92	30.59	25.79	45.23	35.21	9.32	33.93
	45-59 वर्ष	35.70	56.72	50.64	42.60	42.91	37.13	47.32
	60 और ऊपर	65.33	98.37	66.89	63.43	69.91	56.17	59.60
	सभी आयु समूह	11.69	**29.26**	**16.91**	**12.16**	**14.23**	**7.64**	**13.82**

स्रोतः जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट, जुलाई 2020, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

15.1 जनसंख्या पूर्वानुमान संबंधी तकनीकी समूह, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने जुलाई, 2020 में जनसंख्या पूर्वानुमान के बारे में रिपोर्ट तैयार की है। पिछले डेटा का उपयोग करते हुए, पूर्व धारणाओं के आधार पर, जनसंख्या के भावी परिदृष्य के बारे में अनुमान लगाना एक वैज्ञानिक प्रयास है। घटक पद्धति के आधार पर जनसंख्या के बारे में परिकल्पना करना सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत विधि है, क्योंकि जनसंख्या वृद्धि प्रजनन क्षमता, मृत्यु दर और प्रवासन दर से निर्धारित होती है। घटक पद्धति लागू करते हुए, इक्कीस राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश पर विचार किया गया है।

15.2 2011–2036 की अवधि में भारत की जनसंख्या 121.1 करोड़ से बढ़कर 152.2 करोड़ होने की उम्मीद है–यानी 1.0 प्रतिशत की वार्षिक दर से, पच्चीस वर्षों में 25 प्रतिशत की वृद्धि। परिणामस्वरूप, जनसंख्या का घनत्व 368 से बढ़कर 462 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा।

15.3 दिल्ली की जनसंख्या 2011–2036 की अवधि के दौरान 167.88 लाख से बढ़कर 265.91 लाख होने की उम्मीद है – यानी सालाना 2.3 प्रतिशत की दर से, पच्चीस वर्षों में 58 प्रतिशत वृद्धि। परिणामस्वरूप, जनसंख्या का घनत्व 11320 से बढ़कर 17930 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा।

15.4 विवरण 19.16 से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि 2011 और 2036 के बीच, घटती प्रजनन क्षमता के कारण, भारत की जनसंख्या में 15 वर्ष से कम आयु समूह का अनुपात 30.8 से घटकर 20.1 प्रतिशत रह जाएगा; मध्यम आयु–समूह (15–59 वर्ष) और वरिष्ठ आयु समूह (60 वर्ष और अधिक) के अनुपात में काफी वृद्धि होना तय है। 15–59 वर्ष के कामकाजी आयु वर्ग में जनसंख्या का अनुपात 2011 में 60.7 प्रतिशत से बढ़कर 2036 में 64.9 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

15.5 15 वर्ष से कम आयु की दिल्ली की जनसंख्या का अनुपात 27.22 से घटकर 18.46 प्रतिशत होने का अनुमान है; मध्यम आयु–समूह (15–59 वर्ष) और वरिष्ठ आयु समूह (60 वर्ष और अधिक) के अनुपात में काफी वृद्धि होना तय है। 15–59 वर्ष के कामकाजी आयु वर्ग में जनसंख्या का अनुपात 2011 में 65.85 प्रतिशत से बढ़कर 2036 में 67.33 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

15.6 अखिल भारतीय स्तर पर जनसंख्या में वृद्धि 2021 और 2036 के बीच 11.69 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि इसी अवधि के दौरान दिल्ली में 29.26 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।

अध्याय एक नज़र में :

➢	दिल्ली देश के सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक है। शहरीकरण की तीव्र गति के कारण, दिल्ली का परिदृश्य अधिसंख्य ग्रामीण से अधिसंख्य शहरी में बदल गया है।
➢	2001–2011 के दौरान शहरी क्षेत्र में वृद्धि 20.44 प्रतिशत देखी गई। जनगणना 2011 के अनुसार, दिल्ली की लगभग 97.50 प्रतिशत जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में और शेष 2.5 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है।

➢	पिछले दशक के दौरान दिल्ली में जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर 2.12 प्रतिशत प्रति वर्ष थी, जो राष्ट्रीय स्तर 0.35 प्रतिशत प्रति वर्ष से अधिक थी।
➢	सीआरएस के तहत दिल्ली में पंजीकृत जन्म के अनुसार लिंग अनुपात सकारात्मक तस्वीर दर्शाता है, जो 2001 में 809 से बढ़कर 2021 में 932 हो गया।
➢	21 वीं सदी की शुरुआत में, 1901 में 53 प्रतिशत की तुलना में 93 प्रतिशत से अधिक आबादी शहरी क्षेत्रों में थी।
➢	अखिल भारतीय स्तर पर जनसंख्या वृद्धि 2021 और 2036 के बीच 11.69 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि इसी अवधि के दौरान दिल्ली के लिए 29.26 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया गया है।